Code: **A-H730111-M**	**I SEMESTER EXAM – 2023-24**	**7 x 410**
Std.: **XI**	Sub: **HINDI**	Marks: **50**
Date: **08/11/23**	Roll No.: _____	Time: **2½ hrs.**

कृतिपत्रिका के लिए सूचनाएँ।

१) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य विशेष अध्ययन तथा व्यावहारिक हिंदी की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार **आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।**

२) सभी आकृतियों के लिए **पेन का** ही उपयोग कीजिए।

३) सभी आकृतियों में **उत्तर पेन से ही लिखना** आवश्यक है।

४) व्याकरण विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तरों के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(विभाग - १ गद्य)

प्रश्न-१ (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

बाजार की चिल्लपों से घबराकर घर आता हूँ। मनोरंजन के लिए टीवी ऑन करता हूँ। समाचार चैनल खबरों के नाम पर डरा रहे हैं। मौसम का हाल जानना चाहता हूँ तो 45 डिग्री के तापमान को कुछ इस तरह बताया जा रहा है 'गर्मी की तपिश से जनता बेहाल। आकाश से आग की बरसात। आप अगर जीवित रहना चाहते हैं और अपना भला चाहते हैं तो घर से बाहर न निकलें।' आपका गर्मी से आया पसीना अब आपको पूरी तरह नहला देगा। इसी तरह सर्दी के खौफनाक वर्णन से आप रजाई में भी कँपकँपी महसूस कर सकते हैं। असल बात दर्शकों का मनोरंजन है। खबर भी पता चल जाए और मनोरंजन भी हो जाए। यह तो सोने पे सुहागावाली बात हो गई। वह एक खबर को दस बार अलग-अलग तरीके से फिर-फिर दोहराएगा। वह सबका भला चाहता है। उसका साध्य पवित्र है। साधन से समझौता कर ले पर साध्य साफ होना चाहिए। दरअसल यह हमारा भला चाहने वाले हैं जिनकी चिंता को हम ठीक से समझ नहीं पा रहे। गर्मी-सर्दी, सूखा-बाढ़ के प्रकोप से आदमी बच भी जाए, इनकी भाषा के मर्मांतक प्रहार से मरना लाजिमी है।

१) संजाल पूर्ण कीजिए। २

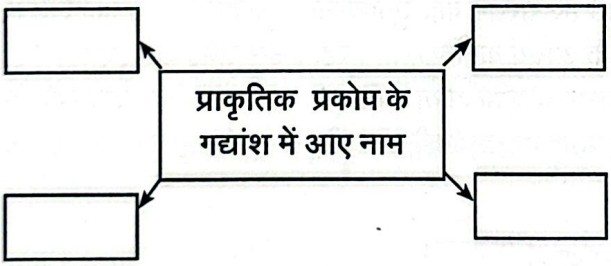

२) निम्नलिखित शब्दों को उचित तालिका में लिखिए। २

(बेहाल, जीवित, खौफनाक, प्रकोप)

उपसर्गयुक्त शब्द	प्रत्ययययुक्त शब्द
_____	_____
_____	_____

३) स्वमत लिखिए। २

'समाचार चैनल भी दर्शकों का मनोरंजन करना चाहते हैं' - इस पर अपने विचार लिखिए।

आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

घर में बाबा बीमार थे। उनकी दवाई, राशन के लिए पैसे चाहिए थे। माँ चार घर में चौका-बर्तन करके जितना लाती वह सब बाबा की दवाई और घर में ही लग जाता। बबलू की पढ़ाई बीच में ही छूट गई। माँ को सहारा देने के लिए बबलू ने घर-घर जाकर रद्दी इकट्ठा करना शुरू कर दिया पर पढ़ाई के प्रति लालसा बनी हुई थी। उस दिन भी तराजू पर रद्दी तौलते हुए बबलू की नजर लगातार स्कूल की उन किताबों पर थी जिसे रद्दी में बेचा जा रहा था। वह चाह रहा था कि वे किताबें उसे मिल जाएँ।

"स्कूल नहीं जाता तू? अजीब हैं तेरे माँ-बाप जो तुझसे काम कराते हैं।" घर की मालकिन ने तराजू के काँटे पर नजर जमाए कहा। तभी उनकी कॉलेज के लिए तैयार होती लड़की ने कहा - "माँ, बाल मजदूरी तो अपराध है न ?" "हाँ बिल्कुल, पर अनपढ़ माँ-बाप समझें तब न", बबलू को बुरा लगा। उससे अपशब्द सहे नहीं गए।

"स्कूल बप्पा ने भेजा था मेमसाब पर उनके पास किताबों के लिए पैसे न थे इसलिए पढ़ाई रुक गई।"

"माँ, इससे इन किताबों के पैसे मत लो। इसके काम आएँगी। वह इनसे अपनी पढ़ाई कर लेगा।"

"कुछ नहीं होता इससे, हम फ्री में देंगे और यह रद्दी पेपर के मालिक से किताबों के पैसे ले चाट-पकौड़ी में उड़ा देगा। इनके बस का नहीं है पढ़ना।"

बबलू ने रद्दी के पैसे चुकाए और बोरा उठा सीधा घर पहुँचा। उसने बोरे में से किताबें निकालकर अलग रख दीं। फिर बोरा लेकर वह रद्दी पेपर के दुकानदार के पास पहुँचा। दुकानदार ने रद्दी तौल किनारे रखी।

"पैसे तो बचे होंगे तेरे पास। जा, सामने के ठेले से वड़ा-पाव और चाय ले आ फिर हिसाब कर।" बबलू सिर झुकाए खड़ा रहा। दुकानदार बार-बार बोलता रहा पर बबलू टस-से-मस न हुआ। अब दुकानदार से रहा नहीं गया। वह झल्ला उठा।

"अरे क्या हुआ? जाता क्यों नहीं?"

"रुपये खर्च हो गए सेठ।"

"क्या! तेरे पैसे थे जो खर्च कर दिए!" दुकानदार ने उसको बुरी तरह से डाँट दिया। डाँट खाने के बावजूद वह मुस्कुरा रहा था। अब वह स्कूल जा सकेगा। उसके पास भी किताबें हैं। वह घर की ओर लौट पड़ा।

पुस्तक लेकर घर से आते हुए रास्तेमें वही सुबहवाली मालकिन और उनकी लड़की मिल गई। उसके हाथ में किताबें देख मालकिन के आश्चर्य का ठिकाना न रहा। उसे सुबह कहे हुए अपने ही अपशब्द याद आ गए और अपने ही शब्दों पर अपराध बोध हो आया। बबलू की पढ़ाई के प्रति लालसा को देखकर उसने निश्चय किया कि अब उसकी आगे की पढ़ाई का खर्चावही उठाएगी। बबलू की खुशी का ठिकाना न था।

(१) उत्तर लिखिए। २

(१) बबलू के बाप्पा ने उसे यहाँ भेजा था - ☐

(२) दुकानदार ने बबलू से ये लाने के लिए कहा - ☐

(३) बबलू यह काम करता था - ☐

(४) बबलू के हाथ में यह देखकर मालकिन का आश्चर्य का ठिकाना न रहा - ☐

(२) परिच्छदे में से शब्दयुग्म ढूँढ़कर लिखिए। २

१) २) ३) ४)

३) स्वमत लिखिए। २

'बाल- मजदूरी : कारण और उपाय' इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

(इ) साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (किन्ही दो) २

(१) दो लघुकथाकारों के नाम लिखिए।

(२) राजेंद्र सहगल जी की साहित्यिक कृतियाँ लिखिए।

(३) दो व्यंग्य रचनाकारों के नाम लिखिए।

(विभाग २- पद्य)

प्रश्न-२ (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढकर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (किन्ही दो)

बार बार जसुमति सुत बोधति, आउ चंद तोहिं लाल बुलावै ।
मधु मेवा पकवान मिठाई, आपुन खैहै, तोहिं खवावै ॥

हाथहिं पर तोहिं लीन्हे खेलै, नैंकु नहीं धरनी बैठावै ।
जल-बासन कर लै जु उठावति, याही मैं तू तन धरि आवै ॥

जलपुट आनि धरनि पर राख्यौ, गहि आन्यौ वह चंद दिखावै।
सूरदास प्रभु हँसि मुसक्याने, बार बार दोऊ कर नावैं ॥

१) संजाल पूर्ण कीजिए। २

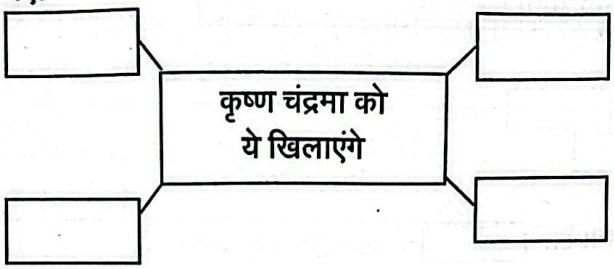

२) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए। २

(१) बोधति - _____ (२) बासन - _____

(३) गहि - _____ (४) तोहिं - _____

३) स्वमत लिखिए। २

'माँ ममता का सागर होती है' - इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढकर दी गई सूचनाओंके अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

आज जीत की रात
पहरुए, सावधान रहना !
खुले देश के द्वार
अचल दीपक समान रहना ।

प्रथम चरण है नये स्वर्ग का
है मंजिल का छोर,
इस जनमंथन से उठ आई
पहली रतन हिलोर,
अभी शेष है पूरी होना
जीवन मुक्ता डोर,
क्योंकि नहीं मिट पाई दुख की
विगत साँवली कोर,

ले युग की पतवार
बने अंबुधि महान रहना,
पहरुए, सावधान रहना !

विषम श्रृंखलाएँ टूटी हैं
खुलीं समस्त दिशाएँ,
आज प्रभंजन बनकर चलतीं
युग बंदिनी हवाएँ,
प्रश्नचिह्न बन खड़ी हो गईं
ये सिमटी सीमाएँ,
आज पुराने सिंहासन की
टूट रहीं प्रतिमाएँ,
उठता है तूफान
इंदु, तुम दीप्तिमान रहना,
पहरुए, सावधान रहना !

(१) उत्तर लिखिए। २

(१) हवाएँ इस तरह चलती हैं। - [ ]
(२) इसके द्वार खुले हैं। - [ ]
(३) ये खुल गई हैं। - [ ]
(४) तुफान में इन्हें कांतिमान रहना हैं। - [ ]

(२) उचित जोड़ियाँ मिलाकर लिखिए। २

अ	ब
(१) विषम	(क) सिंहासन
(२) युग बंदिनी	(ख) सीमाएँ
(३) सिमटी	(ग) हवाएँ
(४) पुराना	(घ) श्रृंखलाएँ

२) स्वमत लिखिए। २

'देश की रक्षा - मेरा कर्तव्य' इस विषय पर अपना मत स्पष्ट कीजिए?

(इ) साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (किन्हीं दो) २

(१) संत सूरदास के प्रमुख ग्रंथ के नाम लिखिए।
(२) 'तार-सप्तक' के दो कवियों के नाम लिखिए।
(३) 'त्रिवेणी' काव्य प्रकार की विशेषताएँ लिखिए।

(विभाग ३ : विशेष अध्ययन)

प्रश्न-३ (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए :

पति : आज भी, एक भी मछली नहीं फँसी।

पत्नी : ऐसा कब तक चलेगा? घर में एक पैसा जो नहीं है। आज भी बच्चों को सिर्फ पानी पिलाकर सुलाना पड़ा।

पति : मैं क्या करूँ? जब से नदी के किनारे वह प्लांट लगा है, वे प्लांट सारा जहरीला कैमिकल पानी में बहा देते हैं, जिसकी वजह से सारी मछलियाँ मर गईं।

पत्नी : तो आप नदी के दूसरे पार क्यों नहीं चले जाते?

पति : वहाँ भी यही हाल है। वहाँ भी उदयोगों की वजह से मछलियाँ खत्म हो गई हैं और अगर किसी ने पकड़ लिया तो अलग मुसीबत। (अपने भाई से) भाई साहब, हम दोनों आपके साथ आपके गाँव चलते हैं। हम जंगल में काम कर लेंगे। कम-से-कम बच्चों को भूखा तो नहीं सुलाना पड़ेगा।

भाई : कौन से जंगल? कैसे जंगल? हमने विकास के नाम पर सारे जंगल काट दिए, अब वहाँ कुछ नहीं बचा। जिन पेड़ों के सहारे हम रहते थे; वे पेड़ ही नहीं रहे, जिन जानवरों पर हम खाने, कपड़े और दूध के लिए निर्भर थे, वे जानवर नहीं रहे। हमारे खेत जला दिए, नदियाँ गंदी कर दीं। अब वहाँ कुछ नहीं बचा छोटे ! सिर्फ धुआँ है धुआँ, फैक्ट्रियों के कारखानों से निकलता हुआ धुआँ जिसने पूरे परिसर को प्रदूषित कर रखा है।

१) संजाल पूर्ण कीजिए। २

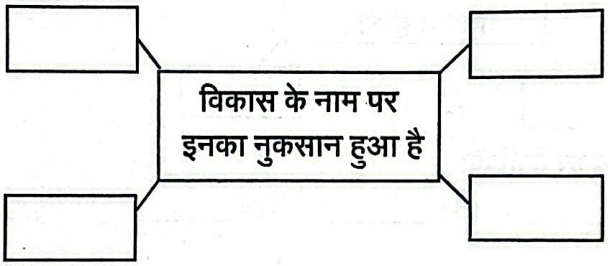

(२) बहुवचन के शब्दों परिच्छेदे में से ढूँढकर लिखिए। २

(१)_____ (२)_____ (३)_____ (४)_____

(३) स्वमत लिखिए। २

'जल प्रदूषण' इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

(विभाग - ४ व्यावहारिक हिंदी, पारिभाषिक शब्दावली)

प्रश्न-४ (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

फिल्म उदयोग ने तो हिंदी का इतना प्रचार-प्रसार किया है कि उसका कोई सानी नहीं। शहरों से लेकर गाँवों तक बच्चे और बड़े हिंदी फिल्में देख-देखकर और हिंदी फिल्मी गीत सुन-सुनकर हिंदी सीखते हैं, समझते हैं और उनमें हिंदी के प्रति रुचि जागृत हुई है। फिल्मों के लिए पटकथा लेखन, संवाद लेखन, गीत लेखन के साथ-साथ कलाकारों को हिंदी उच्चारण सिखाने का काम भी कई हिंदी के प्रशिक्षक कर रहे हैं। आपको यदि हिंदी फिल्म जगत का आकर्षण है तो आप कथा, गीत लेखन के साथ हिंदी प्रशिक्षक के रूप में इस उदयोग में प्रवेश पा सकते हैं।

रेडियो वैसे तो पुराना माध्यम है लेकिन आज भी उसकी प्रासंगिकता बरकरार है। रेडियों में रूपक, नाटक, धारावाहिक, समाचार लेखन, वाचन तथा रेडियो जॉकी जैसे रोजगार की अनेक संभावनाएँ हैं।

प्रसारण के बाद आप लीजिए प्रकाशन क्षेत्र को। प्रकाशन के क्षेत्र में भी हिंदी में उल्लेखनीय कार्य हो रहा है। पुस्तकों के लिए मुद्रित शोधक की आवश्यकता होती है। जिन्हें मानक हिंदी का सही ज्ञान हो, वे इस क्षेत्र में अपना करिअर बना सकते हैं। हिंदी के समाचारपत्रों की बढ़ती संख्या हिंदीवालों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रही है। हिंदी समाचारपत्रों में संपादक, पत्रकार, अनुवादक, स्तंभ लेखक आदि की आवश्यकता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। हर नगर और शहर से हिंदी समाचारपत्र निकल रहे हैं। इसी तरह हिंदी में कई पत्रिकाएँ अपना स्थान बनाए हुए हैं। कुछ अंग्रेजी पत्रिकाओं के हिंदी संस्करण भी व्यावसायिक रूप से सफल होते जा रहे हैं।

रक्षा विभाग में अनुसंधान और विकास का काम बड़ी मात्रा में होता है। अब रक्षा विभाग के अन्वेषक अपने शोध पत्र हिंदी में भी तैयार करते हैं। विविध रिपोर्ट, प्रकाशन और शोध कार्य हिंदी में होते हैं।

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की परीक्षाओं का माध्यम भी हिंदी है। पुलिस, प्रशासन, वित्त, रक्षा, रेल आदि क्षेत्रों के लिए भी दी जाने वाली परीक्षाएँ हिंदी में होती हैं। कई उम्मीदवारों ने आई.ए.एस. की परीक्षा हिंदी माध्यम से उत्तीर्ण की हैं।

(१) संजाल पूर्ण कीजिए। २

(२) परिच्छेद में से शब्दयुग्म ढूँढ़कर लिखिए। २

(१)_____ (२)_____ (३)_____ (४)_____

(३) स्वमत लिखिए। २

'हिंदी में रोजगार है और रोजगार के लिए हिंदी' इस विषय पर अपना मत लिखिए।

(आ) निम्नलिखित पारिभाषित शब्दों के हिंदी अर्थ लिखिए। (किन्हीं चार) ४

1) ACCOUNT
2) AFFIDAVIT
3) GAZETTE
4) VALIDITY
5) INVESTMENT
6) AVERAGE
7) PENSION
8) ADVANCE

(विभाग - ५ व्याकरण)

प्रश्न-५ (अ) कोष्ठक में दी गई सूचनाओं के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए। (किन्हीं दो) २

(१) आदमी यह देखकर डर गया। (पूर्ण वर्तमानकाल में बदलिए)

(२) उन लोगों को अपनी की मेहनत से धन कमाना पडता है। (अपूर्ण भूतकाल में बदलिए)

(३) मछुवा नदी के तट पर पहुँचा। (अपूर्ण वर्तमानकाल में बदलिए)

(आ) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर सार्थक वाक्यों में प्रयोग कीजिए? (किन्हीं दो) २

(१) आँच न आने देना

(२) गले का हार होना

(३) कान देना

(इ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके फिर से लिखिए। (किन्हीं दो) २

(१) बाबु साहब ईश्वर के लिए मुझ पे दया कीजिए।

(२) उसे तो मछुवे पर दया करना चाहिए था।

(३) उसे तुम्हारे शक्ती पर विश्वास हो गया।